

思源

(常思思 演唱)

尹相涛 词曲

1 = $\flat E$ $\frac{4}{4}$

♩ = 64

(6 $\dot{3}$ $\dot{3}\dot{2}\dot{1}$ $\dot{2}\dot{1}$ 6 · | 7 765 6 3 · | 203 56 112 16 | 7 761 7 6 · 17 |

6 · 1 17 65) | 3 6 6 556 3 | 31 73 5 - | 506 1·7 656 3 |

那一棵老槐树, 陪我走春夏, 悠扬的琴弦声,
那一口老水井, 伴着我长大, 清甜的井水,

51 135 $\overset{\text{5}}{3}$ - | 2 2 3 21 2 | 323 656 3 - | 5 6 5 161 3 |

梦里常牵挂。老师的叮咛, 同学的悄悄话, 忘不掉放不下,
滋润我芳华。老师的教诲, 同学的知心话, 行囊里装不下,

556 23 5 - | 5 - - - | 6 $\dot{3}$ $\dot{3}\dot{2}\dot{3}$ $\dot{2}\dot{1}$ 6 | 17 65 $\overset{\text{5}}{6}$ - | 3 2 $\dot{3}$ $\dot{2}\dot{1}$ 7 |

总会想起它。槐花又开了, 学生已长大, 向老师行个礼,
满满的牵挂。古井涌新泉, 饮水知思源, 向母校行个礼,

73 517 6 - | 6 $\dot{3}$ $\dot{3}\dot{2}\dot{3}$ $\dot{2}\dot{1}$ $\dot{2}$ | 17 63 5 - | 6 3 $\dot{3}$ $\dot{2}\dot{1}$ 6 | 73 517 6 - |

无言的报答。槐花又开了, 香飘千万家, 花絮随游子, 纷飞遍天涯。
深情的祝愿。槐花再开时, 重逢槐树下, 花絮随赤子, 歌声漫天涯。

6 3 $\dot{3}$ $\dot{2}\dot{1}$ 6 | 73 5 - - | 176 6 - - || (6 3· 33 61 | 7 - 76 53 |

花絮随游子, 纷飞遍天涯。
花絮随赤子, 歌声漫天涯。 D. S.

—— 结束句 ——

2 - 2 3· | 7 07 6 7123) :|| 73 5 - - | 6 - $\overset{\text{5}}{6}$ - | 6 - - - ||

歌声漫天涯。

